Content

अनुक्रमणिका

अध्याय प्रथम : भारतीय शास्त्रीय संगीत क्या है? - १ से १५

भारतीय संगीत की शास्त्रीयता का विवेचन - शास्त्रीय संगीत क्या है? (एक परिचयात्मक चर्चा) - संगीत की उत्पत्ति (शास्त्रीय संगीत संगीत के विकास की एक प्रक्रिया)।

अध्याय द्वितीय: भारतीय शास्त्रीय संगीत का इतिहास - १६ से ५०

इतिहास के अध्ययन की आवश्यकता - अंधकार युग - संगीत का ऐतिहासिक कालक्रम और उसका विभाजन - अति प्राचीन काल - प्राचीन काल - आधुनिक काल।

अध्याय तृतीय: भारतीय शास्त्रीय संगीत की वर्तमान स्थिति

(अ) संस्थागत शिक्षा पद्धति का प्रभाव - ५१ से १०४

संस्थागत शिक्षा पद्धति का प्रादुर्भाव - विकास - संस्थागत शिक्षा पद्धति के प्रचुर उत्थान के बाद भी संगीत कला के स्तर में गिरावट क्यों - संगीत शिक्षा (संस्थागत) पद्धति की विभिन्न समस्याओं का अध्ययन।

(ब) घरानेदार शिक्षा पद्धति का लोप - १०५ से १३६

घरानेदार शिक्षा पद्धति एक परिचय - विकास - घरानेदार शिक्षा पद्धति के गुण - दोषों का विवेचन आज आज संगीत शिक्षा में घरानेदार शिक्षा पद्धति के गुणों के समावेश की आवश्यकता।

(स) साधना का अभाव १३८ से १६८

संगीत कला में साधना द्वारा उत्पन्न चमत्कार - कला में रियाज़ का महत्व - पूर्व कलाकारों द्वारा पार की गयी साधना की कठिनाईयाँ।

(द) जीविकोपार्जन की समस्या १६९ से १७८

पूर्व कलाकारों को जीविकोपार्जन की प्राप्त सुविधायें - स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् कलाकारों के सम्मुख जीविकोपार्जन संबंधी उत्पन्न समस्यायें - जीविकोपार्जन की समस्या से उत्पन्न परिस्थिति।

(क) फिल्म संगीत का प्रभाव १८९ से २१०

पूर्व फिल्म संगीतकारों के संगीत की विशेषता - शास्त्रीय संगीत पर आधारित फिल्मी गीत - आधुनिक फिल्म संगीत की विशेषता - फिल्म संगीत में पाश्चात्य संगीत का प्रयोग - फिल्म संगीत में शास्त्रीय संगीत का प्रयोग दोनों पक्षों के लिये लाभदायक कुछ मत।

(ख) पाश्चात्य संगीत का प्रभाव २११ से २२६

पाश्चात्य संगीत का परिचय - भारतीय शास्त्रीय संगीत और पाश्चात्य संगीत में अंतर - पाश्चात्य संगीत का भारतीय संगीत पर प्रभाव, दोनों का समन्वय के सम्बन्ध में पाश्चात्य तथा हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के विद्वानों के मत और निष्कर्ष।

अध्याय चतुर्थ: भारतीय शास्त्रीय संगीत का भविष्य २२६ से २३५

आशायें व आशंकायें - भविष्य के संबंध में निष्कर्ष

अध्याय पंचम : भारतीय शास्त्रीय संगीत की सामयिक अपेक्षायें

(अ) संस्थागत शिक्षा पद्धति में सुधार - २३६ से ३६८

शिक्षा का अर्थ - संस्थागत संगीत शिक्षा की समस्याओं का प्रश्नावली प्रविधि द्वारा अध्ययन - उपरोक्त समस्याओं द्वारा आदर्श संगीत शिक्षा पद्धति की संभावना।

(ब) शास्त्रीय संगीत का प्रस्तुतिकरण - ३६९ से ३९४

प्रस्तुतिकरण में अपेक्षित परिवर्तन और सुधार - परिवर्तन और सुधार का कला के स्तर पर प्रभाव।

(स) शास्त्रीय संगीत का प्रसारण - ३९५ से ४३२

आकाशवाणी तथा दूरदर्शन का शास्त्रीय संगीत प्रसारण - शास्त्रीय संगीत के प्रसारित कार्यक्रमों में विविधता व श्रोताओं की रुचि बढ़ाने के लिये अपेक्षित सुधार।

(द) शास्त्रीय संगीत तथा कलाकार - ४३४ से ४४८

कलाकारों को विशिष्ट सुविधायें प्रदान की जायें - कलाकारों का उत्तरदायित्व शास्त्रीय संगीत के प्रति।

उपसंहार व मूल्यांकन - ४४९ से ४५४

परिशिष्ट -

एक - साक्षात्कारों की सूची

दो - ग्रंथ सूची